13/07/19

प्रार्थी मय वकील उप०।

प्रार्थी मय वकील उपस्थित होकर एक आवेदन इस आशय का प्रस्तुत किया कि प्रार्थी एवम् विप्रार्थीगण के मध्य जो विवाद था उसे मुअतबिरान एवम् समाज के मौजीज व्यक्तियों द्वारा समझाईश कर सुलझा लिया है अतः यह प्रकरण लोक अदालत की भावना से आपसी राजीनामा विड्रॉ करना चाहता हूँ।

[illegible]

Br

प्रकट तथ्यों एवम् पत्रावली के अवलोकनोपरान्त प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत आवेदन के मद्देनजर यह प्रार्थना पत्र आपसी राजीनामा विड्राल के आदेश किया जाता है

पत्रावली हस्ब फैसला होकर दाखिल दफ्तर हो।

उप खण्ड अधिकारी
बाड़मेर

Scanned by CamScanner